an>

Title: Need to permit cultivation of crops in and around Kanwar Lake Bird Sanctuary in Begusarai Parliamentary Constituency, Bihar.

डॉ. भोला सिंह (बेगूसराय) ः छठी एवं सातवीं शताब्दी में बंगाल के पाल वंशीय राजाओं की देवी माँ जयमंगलागढ़ और नौलागढ़ राजधानी और फौज की छावनी के रूप में इतिहास में वर्णित है। जयमंगलागढ़ से नौलागढ़ के बीच की दूरी में सुरंगे बनी हुई थी और जयमंगलागढ़ में ही उनकी सर्वमंगला देवी पीठ विजयश्री के प्रतीक के रूप में अभी भी लाखों करोड़ों की आस्था की देवी है। 14 हज़ार एकड़ का यह भू-भाग कावड़ झील के रूप में विख्यात रहा है। जाड़े के दिनों में साइबेरियन पक्षी पूजनन के लिए हज़ारों किलोमीटर से उड़कर यहां कुछ माह के लिए बसेरा करते थे। इलाके के हज़ारों मछुआरे इस झील से अपनी जीविका चलाने के लिए मछली का शिकार किया करते थे। पर इतिहास की ये सारी स्मृतियां, गौरवशाली आलेख समाप्त हो गये हैं। झील की जगह पर फटी हुई वसुन्धरा की दरारें पड़ी हुई हैं। मातृ बैशाख के दिनों में 500 एकड़ जमीन में पानी रहता है शेष भाग में ऊख, गेहूं, रैंचा, मकई की फसलें हो रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा इसे 1998 ई. में पक्षी विहार के रूप में अधिसूचित किया गया था लेकिन पिछले 12 वर्षों से यहां सूखा पड़ा हुआ है। इसमें किसानों की खेती होती है। केंद्र सरकार द्वारा पक्षी विहार घोषित करने के कारण यहां पर खेती कार्य पर पाबन्दी लगी है। लाखों की आबादी जीविका को लेकर संकट में है। पेट की रोटी और मन के प्रवाह में गतिरोध है। मैं केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय से मांग करता हूँ कि लाखों किसानों को बिना जल के पक्षी विहार के कारण किसानों की खेती पर लगा प्रतिबन्ध हटाया जाए। मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।